हो ची मिन्ह सिटी में पार्टी सचिव, महामहिम श्री नेवुएन वान नेन के साथ माननीय अध्यक्ष की बैठक के अवसर पर संबोधन

- महामहिम, आज मुझे आपसे मिलकर बहुत प्रसन्नता है। हमारे राष्ट्रपति जी और प्रधान मंत्री जी ने आपके लिए शुभकामनाएं भेजी हैं।
- हम इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह हमारे लिए भविष्य में अपने संबंधों के और अधिक विकास और द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा बनाने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अवसर है।
- 15 अप्रैल को हमारे प्रधान मंत्री जी के साथ टेलीफोन पर हुई आपकी बातचीत अत्यंत उपयोगी रही जिससे हमें महत्वपूर्ण द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर विचारों के परस्पर आदान-प्रदान का अवसर मिला।
- मेरी वियतनाम यात्रा के दौरान नेशनल असेंबली के सभापति के साथ भी मेरी भेंट हुई जो अत्यंत सार्थक सिद्ध हुई।
- इससे पहले मुझे दिसंबर में भारत में उनकी मेजबानी करने का अवसर मिला था।
- निरंतर हो रहे इस प्रकार के आदान-प्रदान से हमारे दोनों देशों की संसदों के बीच संबंध और अधिक मजबूत हुए हैं तथा सहयोग के नए रास्ते खुले हैं। संसदीय आदान-प्रदान द्विपक्षीय संबंधों के आधार स्तंभ रहे हैं। जन-प्रतिनिधियोँ के रूप में हमारा संसदीय सहयोग हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक सुदढ़ करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।
- महामहिम, आपने अपने दीर्घ राजनैतिक जीवन में वियतनाम की नेशनल असेंबली का भी नेतृत्व किया है और हमारे संसदीय आदान-प्रदान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।
- एक दशक से भी अधिक समय तक वियतनाम में पार्टी और देश में आपके नेतृत्व के दौरान भारत और वियतनाम के बीच संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं।
- महामहिम अंतरराष्ट्रीय स्थिति में आये बदलाव के बाद भी भारत और वियतनाम के बीच मित्रता और सहयोग की एक लंबी परंपरा रही है। यह क्षेत्रीय एवं वैश्विक विषयों पर हमारे साझे दृष्टिकोण एवं साझे हितों के कारण ही संभव हो पाया है।
- महामहिम, वियतनाम हमारे सबसे करीबी भागीदारों में से एक है और हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक विजन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। व्यापक रणनीतिक साझेदार के रूप में, आज द्विपक्षीय सहयोग

के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे बहुआयामी संबंध हैं। यह हमारे संबंधों की परिपक्वता तथा क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर हमारे मजबूत संबंधों के महत्व को दर्शाता है।

- महामहिम, भारत और वियतमान का वैश्विक एवं क्षेत्रीय शांति के विषय पर साझे दृष्टिकोण हैं। समान चुनौतियों का सामना करने वाले और समान विकासात्मक दृष्टिकोण रखने वाले देशों के रूप में, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास, स्वास्थ्य देखभाल और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में हम अपने सहयोग का दायरा और बढ़ा सकते हैं।
- रक्षा क्षेत्र में साझे दृष्टिकोण के कारण रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना जैसे क्षेत्रों में हमारी रक्षा भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। हमारे भारत-प्रशांत क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और स्थिरता में हमारे रक्षा संबंधों का बहुत अधिक योगदान है। हमें अपनी रणनीतिक भागीदारी को और मजबूत करने के प्रयास करने चाहिए।
- कोविड-19 वैश्विक महामारी द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों का सामना करने में हमारे दोनों देशों ने एक दूसरे की पूरी सहायता की। यह दर्शाता है कि भारत वियतनाम की मित्रता और संबंध गहरे हैं एवं सशक्त हैं। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि संयुक्त प्रयासों से वियतनाम कोविड-19 के प्रभाव से मुक्त हो रहा है और सामाजिक-आर्थिक पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति कर रहा है। भारत में भी, हम बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम की सहायता से स्थिति को नियंत्रण में लाने में सफल रहे हैं।
- इसने हमारे व्यापार और निवेश संबंधों को और अधिक मजबूत करने के नए अवसर खोले हैं, क्योंकि भारत और वियतनाम दोनों विश्वसनीय और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण के लिए प्रयासरत रहते हैं। यही कारण है कि पिछले साल, महामारी के व्यवधानों के बावजूद, हमारा द्विपक्षीय व्यापार 13 बिलियन डॉलर से अधिक रहा।
- महामहिम, अपनी जनता की समृद्धि के लिए हमें व्यापारिक संबंधों को और व्यापक बनाने की आवश्यकता है ताकि 15 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सके।
- भारत और वियतनाम दोनों ही विकासशील देश हैं तथा अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयास कर रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में दोनों ही देशों के निवेशकों के लिए अवसर हैं। इसके लिए दोनों देशों के व्यापारिक संघों के बीच नियमित संवाद होना चाहिए।
- वियतनाम के साथ ऊर्जा क्षेत्र में भी हमारी दीर्घकालिक और परस्पर लाभप्रद साझेदारी है। हमारी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) की वियतनाम की अपतटीय ऊर्जा परियोजनाओं में तीन दशक से

अधिक समय से कार्यरत है। वे अपने अनुबंध को और 15 साल के लिए बढ़ाना भी चाहते हैं। आशा है कि इस संबंध में वियतनाम का सकारात्मक रुख रहेगा।

- हम वियतनाम के साथ अपनी विकास साझेदारी को भी महत्व देते हैं। हम अपने क्षमता निर्माण और छात्रवृत्ति कार्यक्रमों में वियतनामी नागरिकों की संख्या में वृद्धि करेंगे। हमारे प्रौद्योगिकी संस्थानों में आसियान छात्रों के लिए उपलब्ध पीएचडी फेलोशिप में भी वियतनाम का अधिक प्रतिनिधित्व देखना चाहते हैं।
- ऐतिहासिक और सभ्यतागत सम्बन्धों के साथ साथ भारत और वियतनाम बौद्ध धर्म और चाम परंपराओं की विरासत भी साझा करते हैं। ये संबंध सांस्कृतिक, पर्यटन और परस्पर जन संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करते हैं। मैं आशा करता हूं कि आने वाले वर्षों में हमारे बहुआयामी सहयोग में और अधिक वृद्धि होगी।
- महामहिम, आपके उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको शुभकामनायें।

  धन्यवाद।

***